प्रा. डॉ. एच. जी. साळुंखे,
एम्.ए., बी.एड्., पीएच्. डी.
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
छत्रपति शिवाजी कॉलेज, सातारा.

## प्र मा ण प त्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कु. साधना आनंदा बल्लाळ ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल् ( हिंदी ) उपाधि के लिए

**" रांगेय राघव के उपन्यासों में चित्रित नारी जीवन "**

**( ' कब तक पुकारूँ ' और ' मुर्दो का टीला ' के विशेष संदर्भ में )**

शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है । जो तथ्य इस लघु-शोध प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं । यह शोधार्थिनी की बौद्धिक कृति है । कु. साधना आनंदा बल्लाळ के प्रस्तुत शोध कार्य से मैं पूरी तरह सन्तुष्ट हूँ ।

सा ता रा

दिनांक : 30.6.2000

हिंदुराव साळुंखे

डॉ. एच्. जी. साळुंखे
शोध - निर्देशक

# अ नु शं सा

हम अनुशंसा करते हैं कि कु. साधना आनंदा बल्लाळ का एम्. फिल्. ( हिंदी ) का लघु-शोध प्रबंध

**रांगेय राघव के उपन्यासों मे चित्रित नारी जीवन**

( ' कब तक पुकारूँ ' और ' मुर्दो का टीला ' के विशेष संदर्भ में )

परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाए ।

प्रा. डॉ. भरत धोंडीराम सगरे,
हिंदी विषय अध्यक्ष,
लाल बहादूर शास्त्री महाविद्यालय,
सा ता रा

श्री. अ. जी. चव्हाण
प्राचार्य,
लाल बहादूर शास्त्री महाविद्यालय,
सा ता रा.

BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY

# प्र ख्या प न

मेरे शोध कार्य का विषय,

" रांगेय राघव के उपन्यासों में चित्रित नारी जीवन "

( ' कब तक पुकारूँ ' और ' मुर्दो का टीला ' के विशेष संदर्भ में ' )

सर्वथा मौलिक है । यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है ।

सा ता रा.

दिनांक : 30|6|2000

Ballal

कु. एस्. ए. बल्लाळ

Dr. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY KOLHAPUR